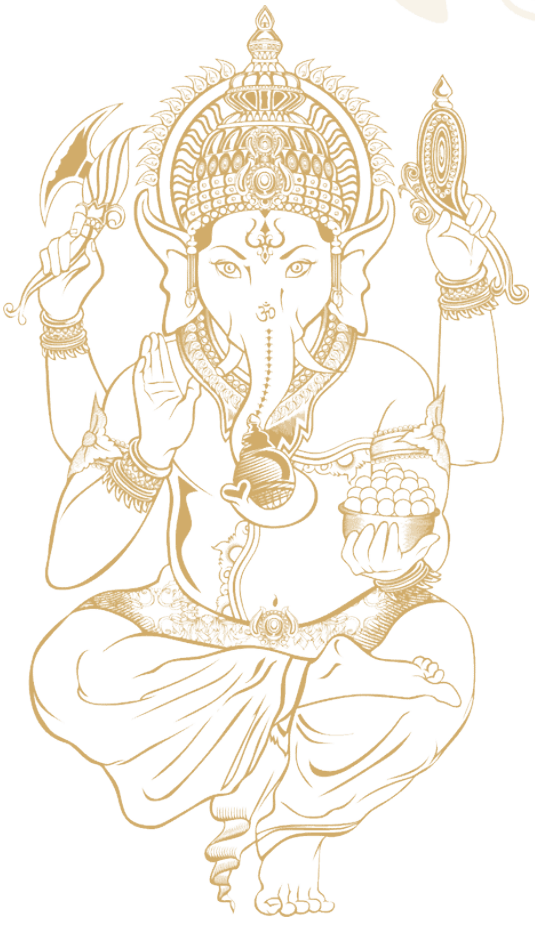

Abhijit Pandit

10 Nov 2014

09:47 PM

Siliguri

Model: Web-FreeKundliWeb

Order No: 121441207

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/11/2014**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**21:47:00 घंटे**
इष्ट	39:47:26 घटी
स्थान	**Siliguri**
राज्य	West Bengal
देश	India

अक्षांश	26:42:00 उत्तर
रेखांश	88:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:23:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:10:44 घंटे
वेलान्तर	00:16:09 घंटे
साम्पातिक काल	01:29:43 घंटे
सूर्योदय	05:52:01 घंटे
सूर्यास्त	16:48:15 घंटे
दिनमान	10:56:14 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	24:07:14 तुला
लग्न के अंश	06:41:30 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	सिद्ध
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	कू-कुणाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	06:41:30	310:03:31	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	बुध	---
सूर्य			तुला	24:07:14	01:00:17	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	नीच राशि
चंद्र			मिथु	09:58:48	12:38:28	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	मित्र राशि
मंगल			धनु	17:18:49	00:45:18	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
बुध			तुला	08:29:23	01:30:43	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	मित्र राशि
गुरु			कर्क	27:18:29	00:05:11	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	उच्च राशि
शुक्र		अ	तुला	28:15:40	01:15:16	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	स्वराशि
शनि		अ	वृश्चि	00:56:48	00:07:07	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
राहु	व		कन्या	24:51:11	00:04:37	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	24:51:11	00:04:37	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मीन	19:11:17	00:01:51	रेवती	1	27	गुरु	बुध	केतु	---
नेप	व		कुंभ	10:44:31	00:00:11	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	---
प्लूटो			धनु	17:31:17	00:01:24	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	---
दशम भाव			मेष	00:09:19	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:03:57

लग्न-चलित

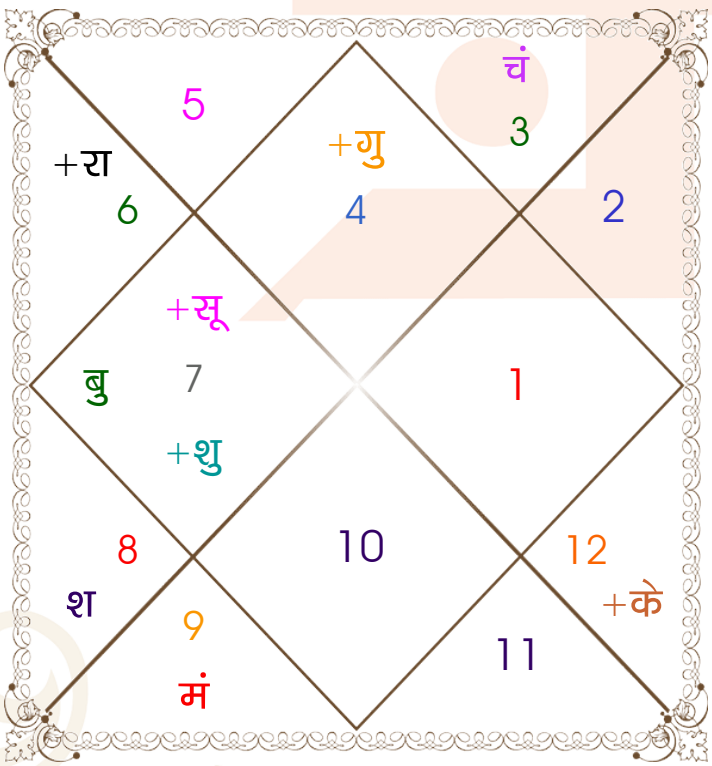

चन्द्र कुंडली

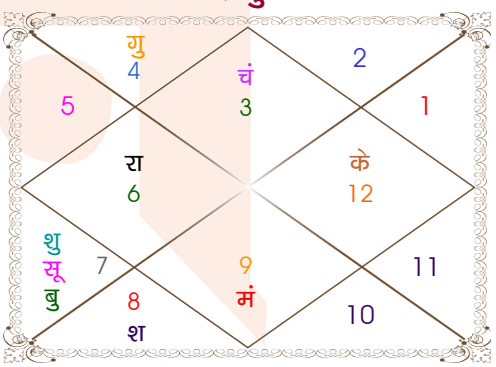

नवमांश कुंडली

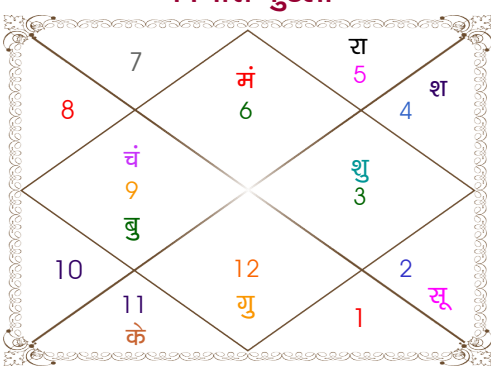

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 13 वर्ष 6 मास 9 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
10/11/2014		21/05/2028		21/05/2044		22/05/2063		21/05/2080	
21/05/2028		21/05/2044		22/05/2063		21/05/2080		22/05/2087	
	10/11/2014	गुरु	09/07/2030	शनि	25/05/2047	बुध	18/10/2065	केतु	17/10/2080
गुरु	27/06/2015	शनि	20/01/2033	बुध	01/02/2050	केतु	15/10/2066	शुक्र	17/12/2081
शनि	03/05/2018	बुध	28/04/2035	केतु	13/03/2051	शुक्र	15/08/2069	सूर्य	24/04/2082
बुध	20/11/2020	केतु	02/04/2036	शुक्र	12/05/2054	सूर्य	21/06/2070	चंद्र	23/11/2082
केतु	08/12/2021	शुक्र	02/12/2038	सूर्य	24/04/2055	चंद्र	20/11/2071	मंगल	21/04/2083
शुक्र	08/12/2024	सूर्य	21/09/2039	चंद्र	23/11/2056	मंगल	17/11/2072	राहु	09/05/2084
सूर्य	02/11/2025	चंद्र	20/01/2041	मंगल	02/01/2058	राहु	06/06/2075	गुरु	15/04/2085
चंद्र	04/05/2027	मंगल	27/12/2041	राहु	08/11/2060	गुरु	11/09/2077	शनि	25/05/2086
मंगल	21/05/2028	राहु	21/05/2044	गुरु	22/05/2063	शनि	21/05/2080	बुध	22/05/2087

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
22/05/2087		23/05/2107		22/05/2113		23/05/2123		23/05/2130	
23/05/2107		22/05/2113		23/05/2123		23/05/2130		00/00/0000	
शुक्र	20/09/2090	सूर्य	09/09/2107	चंद्र	23/03/2114	मंगल	19/10/2123	राहु	02/02/2133
सूर्य	21/09/2091	चंद्र	10/03/2108	मंगल	22/10/2114	राहु	06/11/2124	गुरु	11/11/2134
चंद्र	21/05/2093	मंगल	16/07/2108	राहु	22/04/2116	गुरु	12/10/2125		00/00/0000
मंगल	21/07/2094	राहु	10/06/2109	गुरु	22/08/2117	शनि	21/11/2126		00/00/0000
राहु	21/07/2097	गुरु	29/03/2110	शनि	23/03/2119	बुध	18/11/2127		00/00/0000
गुरु	22/03/2100	शनि	11/03/2111	बुध	21/08/2120	केतु	16/04/2128		00/00/0000
शनि	23/05/2103	बुध	15/01/2112	केतु	22/03/2121	शुक्र	16/06/2129		00/00/0000
बुध	23/03/2106	केतु	22/05/2112	शुक्र	21/11/2122	सूर्य	22/10/2129		00/00/0000
केतु	23/05/2107	शुक्र	22/05/2113	सूर्य	23/05/2123	चंद्र	23/05/2130		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 13 वर्ष 6 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि के कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति के आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगें। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगे। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगे। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगे।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगे। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़े भाग्यशाली होंगे।

आप गौरवर्ण के लम्बे दीर्घकाय प्राणी होंगे। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगे। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाले पेटू प्राणी हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपका सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग के अनुगामी होंगे।

आप अपनी पत्नी के प्रति पूर्णतः समर्पित व्यक्ति है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करते हैं। आप निःसन्देह अपनी पत्नी से प्यार करते हैं। परन्तु आप घरेलू मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहते ताकि अपनी पत्नी के साथ कोई गलती न हो जाए।

आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपनी पत्नी के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़की के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्वनिर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होते हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।